मतदाताओं को जागरूक बनाने में संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका

ब्रिजेन्द्र कुमार

भारत में प्रस्तावित निर्वाचन सुधारों की दिशा में क्षेत्रीय स्तर पर विचार विमर्श की शुरुआत 12 दिसम्बर 2010 को भोपाल से हुई है। विचार–विमर्श में भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त, कानून मंत्री और निर्वाचन सुधारों की प्रक्रिया से जुड़े हुए लोगो की मौजूदगी में अनेक लोगों ने ई–वोटिंग के अधिकार को सुझाव दिये और पुरजोर तरीके से अपना पक्ष भी रखा। कुल मिलाकर सब ठीक–ठाक चलता रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब आम मतदाता किसी भी स्थान से अपने मताधिकार का उपयोग ई–वोटिंग व मोबाइल के जरिए कर सकेगा। देश की सभी ग्राम पंचायतें ब्रॉडबैंड सुविधा से जल्द ही लैस हो जायेगी। भारत में मोबाइल धारकों और इंटरनेट उपभोक्ताओं तथा सोशल मीडिया यूजर की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। भारत में 1 अरब से अधिक मोबाइल फोन उपयोगकर्ता हैं। इनमें से 40 करोड़ से ज्यादा स्मार्ट फोन यूजर्स से हैं और इंटरनेट यूजर्स 50 करोड़ से अधिक हैं।